REFERENCE TO THE REPORTED HIJACKING OF AN INDIAN AIRLINES PLANE ON FLIGHT FROM CALCUTTA TO DELHI

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI (Maharashtra): Sir, I had taken permission of the Chairman to mention after zero hour about the incident of hijacking an Indian Airlines plane flying from Calcutta to Delhi. The plane was hijacked by two persons, both named Pandey, and was forced to go to Varanasi. We hope that the passengers have been now unloaded and whatever action the Government proposes to take under whatever law will be taken. But what I am highlighting is that the safety of air passengers is in danger. As has been rightly pointed out by the leader of my party while speaking in the Lok Sabha debate, the sharpening of attitudes has been more sharpened. There is crisis of confidence Conditions of chaos have been created by various acts of the political parties inclusive of Government party Government which are not conducive to healthy democracy. At the same time, Sir, it is also our duty that we do not solve these problems in the streets.

Sir, if we see the London press today, they have said that it is a total political blunder of the Janata Party in taking this decision. At the same time I do not question the authority of the Lok Sabha. They have already passed whatever verdict they wanted to pass. I am not challenging their verdict. But the political aspect our party has already been highlighted. But, Sir, I would only submit to the Members of the Congress (I) and some Members of the Janata Party inclusive of Members of my party that the sharpening of attitudes will ultimately divide this country. If there is violence created and if we make every decision taken through democratic processes challenged on the streets. It will create a further chaos in this country.

(*Interruptions*)

SHRI MANUBHAI PATEL (Gujarat): Mr. Kulkarni, you say that Congress (I) and Janata . . . ,

(*Interruptions*)

AN HON. MEMBER: You are killing the parliamentary system. That is what you are doing.

(*Interruptions*)

SHRI JAGANNATHRAO JOSHI (Delhi): Let us know what is the special mention about it. He started with the hijacking of the plane and how he is giving us sermons.

(*Interruptions*)

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh): I would ask Shri Kulkarni whether he approves of these things, or not. आप दबाव दे दीजिये कि आप इनका स्पष्ट करते हैं या कि नहीं करते ।

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI: What I was expecting was that the Janata Party Members would know that they cannot react to it in the way in which they are manifesting which is not quite creditable to them—and what they are also to blame somewhere for it.

SHRI MANUBHAI PATEL: Not for violence.

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI: You must know what I am talking about and what is the meaning of my words. I am using very specific words, words which are democratic and can be uttered in Parliament. I am not using any words which are unparliamentary. Sir, a democratic decision has been taken by the Lok Sabha. I am not questioning that. I have never questioned that; nor will I ever do that. The political part of it, I have commented upon. It is a total lack of maturity. But that is for your party to dig your own grave or come out and serve the people. What I am concerned with as a

[Shri Arvind Ganesh Kulkarni]

member of the political party to which I belong and as a Member of this House, which is the Elders' House, is that if democratic decisions are taken to the streets for challenge the entire country will be thrown into a chaos, whoever might be responsible for it, whether it is the Congress (I), whether it is the Janata Party or whether it is the Congress Party. It is the responsibility of democratic and peace-loving persons that we should not try to solve this problem by taking it to the streets all through violence. Hijacking of plane might be a solitary instance. I did not personally hear what Mr. Verma said; but it must be true. Yesterday I received a telephone call from some correspondent—just listen, how the atmosphere is surcharged—telling me that Sanjay Gandhi's friends were hijacking a plane. Sanjay Gandhi has been sick and has been operated upon. His associates might have been responsible what happened is. (*Interruptions*) Just listen. अरे भाई आपको समझने के लिये तो थोड़ा भगज़ चाहिये ।

श्री मनूभाइ पटेल : कुलकर्णी जी हम लोग तो ऐसी बात नहीं कहते हैं कि समझने को मगज़ चाहिये ।

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI: Ultimately, it came out that they belonged to the Youth Congress (I). Whatever it is, what I am saying is that when violence is created and attitudes are sharpened—there are acts of stone-throwing and other acts of violence even in judicial courts, and also false rumours are spread. I would earnestly plead with all the intellectual persons, all the democratic persons in the country, all members of all political parties, for Heaven's sake, not is try to solve a matter which has been decided by the Lok Sabha by a majority by taking it to the streets. That much I want to say.

विपक्ष के नेता (श्रीकमलापति त्रिपाठी) मैं निवेदन करना चाहता हूं (*Interruptions*) हाईजेकिंग का नाम लिया गया, मान्यवर . . .

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार) : उपसभापति महोदय, मैंने स्पेशल मेन्शन के लिए कहा था । नियम के मुताबिक चलेगा . . .

श्री उप सभापति : आप बैठ जाइए, फिर कह लीजिएगा ।

(*Interruptions*)

श्री कमलापति त्रिपाठी : आप लोग बोल नहीं पाएंगे क्योंकि . . .

(*Interruptions*)

SHRI KALP NATH RAI (Uttar Pradesh): The Leader of the House is talking. Please sit down.

श्री शिव चन्द्र झा : नहीं, मुझे स्पेशल मेन्शन . . . .

श्री उपसभापति : आप बोलने दीजिए उन्हें ।

डा० भाई महावीर (मध्य प्रदेश) : अगर आप चाहें तो बैठ जाएं, तो ये बैठ जाएंगे ।

श्री शिव चन्द्र झा : उपसभापति जी, कोई तरीके से चलाइए । आप सदन के न्यायाधीश हैं, आप इसकी परम्परा के पोषक हैं ।

श्री उपसभापति : बोल लेने दीजिए दो मिनट ।

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI: To respect the Leader of the House and the Leader of the Opposition is the convention. The convention is to respect the Leader of the House and the Leader of the Opposition. Please take your seat.

SHRI PILOO MODY (Gujarat): You saw how the convention was followed only half an hour ago. That was the occasion when you should have pointed it out.

श्री कमलापति त्रिपाठी : मान्यवर, माननीय कुलकर्णी जी ने एक ऐसे प्रश्न का यहां उल्लेख किया है जो आज समाचारपत्रों मे प्रकाशित हुआ है और जिससे एक बड़ी चिंता सारे देश में फैल गई है। मान्यवर, मैं प्रारम्भ में ही यह कहना चाहता हूं कि हम कांग्रेस (आई) के लोग किसी प्रकार की हिंसा या उपद्रव के सख्त विरोधी है। हमारा पूरा विश्वास शांतिपूर्वक आन्दोलन मे और अहिंसा में रहा है। हम लोग उस परम्परा को मानने वाले हैं जिस पर चल कर इस देश में हमने गांधी जी के नेतृत्व में स्वाधीनता अर्जित की। हमारा आज भी विश्वास है, पहले भी विश्वास रहा है कि देश में किसी प्रकार का आन्दोलन, किसी प्रकार का प्रतिरोध, जब कभी भी आवश्यकता के अनुसार उठे, तो पूर्ण रूप से शांतिमय और अहिंसक हो। मान्यवर, हाईजैकिंग की जो नीति बरती गई है उसकी हम घनघोर निन्दा करते है और उस काम को बुरा मानते हैं।

मान्यवर, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि समाचारपत्रों में जिस प्रकार के समाचार छपे हैं उससे मालूम होता है कि शायद कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के लिए किन्ही पार्टियों की ओर से यह षड्यन्त्र रचा गया है और अब दोष कांग्रेस (आई) पर आ रहा है... (*Interruptions*) ... मान्यवर मैं निवेदन करना चाहता हूं कि जो समाचार छपा है उसमें कहा गया है कि उन लड़कों ने यह कहा कि मोहसिना किदवई को यह कहा दिया जाए और संजय गांधी को यह कह दिया जाए कि उनका कहा हुआ काम कर दिया गया, जो वह चाहते थे हो गया। कोई भी आदमी मान्यवर, इस प्रकार की बात करे तो स्पष्ट मालूम होता है कि कौन सा षड्यन्त्र है और किसे बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। मान्यवर, पूरे षड्यन्त्र का एक सिलसिला इस समय हमारे देश में चल रहा है। जनता पार्टी के लोग आज सारी कांग्रेस (आई) की प्रतिभा को धूमिल करने के लिए मान्यवर, उस पर दोष लगाने के लिए इस बात की चेष्टा में लगे हुए है और षड्यन्त्र कर रहे हैं कि हिंसा करने का और उपद्रव करने का सारा दोष उनके सिर पर मढ़ कर उनको कुचल देने की कोशिश की जाए और मैं निवेदन करना चाहता हूं, इस प्रकार की कुकृति करना, यह तो ऐसा है कि देश के हृदय मे और देश की जनता के हृदय में इनके प्रति जो अविश्वास बढ़ा है, वह बहुत अधिक बढ़ गया है और इनके लिए संकट का समय उपस्थित हो जाएगा। मान्यवर, अभी अखबार में छपा है कि जनता पार्टी का आफिस जलाने की कोशिश की गयी और साथ ही साथ यह भी लिखा है कि...

डा० भाई महावीर : क्या यह भी आर० एस० एस० वाले लोग थे ?

श्री कमलापति त्रिपाठी : और वहां जो स्कूटर का मालिक था वह जनसंघ का एक पुराना आदमी था। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि आर० एस एस० की ओर से, जनसंघ की ओर से यह षड्यन्त्र चलाया जा रहा है कि कांग्रेस (आई) को बदनाम किया जाय और उसके सिर पर सारा दोष मढ़ दिया जाय कि वे हिंसा करने पर तुले हुए हैं ताकि उनको कुचलने के लिये सरकार शक्ति का और निरंकुशता का प्रयोग कर सके। हम घनघोर निन्दा करते है अगर कहीं भी किसी प्रकार की हिंसा होती है। अगर कहीं भी इस प्रकार की हाईजैकिंग की नीति बरती जाती है तो हम उसका घोर विरोध करते हैं और उसकी कठोर निन्दा करते हैं और हमारी प्रार्थना है देश की जनता से और अपनी कांग्रेस के कार्यकर्त्ताओं से कि वे जो भी कदम उठायें वह गांधी जी की आज्ञानुसार जो उचित है और इन्दिरा जी की आज्ञानुसार उठायें और वह कदम पूर्णतः शान्त और अहिंसक होना चाहिए। यही मेरा निवेदन है।

श्री शिव चन्द्र झा : श्रीमन्, मेरा स्पेशल मेंशन है। मैं... (*Interruptions*)

श्री जगन्नाथ राव जोशी : इतने बड़े नेता होकर आप ऐसी बात बोल रहे हैं . . . (*Interruptions*) मुझे पहले कितने ही लोगों ने कहा कि हम देश में आग लगा देंगे । मैं यह जानना चाहता हूं कि . . .

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

श्री जगन्नाथ राव जोशी : मैं यह जानना चाहता हूं कि यहां सदन की मर्यादा और प्रतिष्ठा की बहुत बात की गयी । आप राज्य सभा के कितने सदस्य थे कि जो चेम्बर में बैठे है धरना देने के लिये और वे लोग वहां क्या बोलते हैं ।

(*Interruptions*)

सदन की मर्यादा के बारे में कुलकर्णी जी ने कहा है । मुझे भी अधिकार है कुछ कहने का । मैं भी सदन का सदस्य हूं और सदन की मर्यादा का पालन करता हूं और चाहता ह कि हर सदस्य मर्यादा का पालन करे । इसलिये मैं यह सवाल पूछना चाहता हू कि जब भूतपूर्व प्रधान मंत्री की लोक सभा की सदस्यता को खत्म किया गया और सदन एडजर्न हुआ उस के बाद यहां के सदस्यों को वहा जाने की क्या आवश्यकता थी ।

The Lok Sabha adjourned. When she was expelled from the House, she had no business to sit inside the House. She hould have come out and sat in the lobby.

अध्यक्ष महोदय, सदन की मर्यादा की बात कही गयी है । यही साजिश कर्नाटक में चल रही है । समाचार मुझे लगातार मिल रहे है और यह लोग जनसघ की बात करते हैं ।

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

(*Interruptions*)

श्री जगन्नाथ राव जोशी : विरोधी दल का नेता बनने के लिये काबलियत होना चाहिए । ऐसे नही चलेगा । . . .

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

श्री जगन्नाथ राव जोशी : जिन लड़कों ने हाईजैक किया है प्लेन को उन के ऐंटीसीडेंट्स का पता लगाना चाहिए व कि वह किस पार्टी के हैं ।

(*Interruptions*)

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI: The point is, Mr. Jagan Nath Rao has said that Mr. Kulkarni has not raised his vioce. I have raised my voice here and said that anything affecting the dignity of the Rajya Sabha is to be totally condemned. (*Interruptions*). I have said it a hundred times. (*Interruptions*) Mr. Jagan Nath Rao cannot accuse me. (*Interruptions*) I have condemned here the activities and shouting... (*Interruptions*).... of the Congress (I) Members. (*Interruptions*) You cannot accuse me.

SHRI JAGANNATH RAO JOSHI: Without any foundation, he accused the RSS and the Jana Sangh. That is my contention.

(*Interruptions*)

श्री उपसभापति : स्पेशल मेंशन करने दीजिए । आप काफी बोल चुके हैं ।

SHRI JAGANNATH RAO JOSHI: It should be done both ways, not only one way. (*Interruptions*) I am an old Member.

श्री कमलापति त्रिपाठी : मैं श्री जगन्नाथ राव जी को यह सूचना देना चाहता हूं कि अभी-अभी मुझे खबर मिली है कि दोनों हाईजकर्स मुख्य मंत्री के साथ उनकी मोटर में बैठकर उनके साथ चले गये है । यह इस बात का सबूत है कि किधर से यह षडयंत्र किया गया है । रेकार्ड स्ट्रेट करने के लिए मैं कहना चाहता हू ।

(*Interruptions*)

SHRI JAGANNATH RAO JOSHI: It is below the dignity of the Leader of the Opposition to say such things. He must speak on the basis of facts. He cannot just say things on hearsay.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order please. Now. Mr. Jha.

श्री शिव चन्द्र झा : उपसभापति जी, मैं आपका और इस सदन का ध्यान एक गम्भीर विषय की ओर ले जाना चाहता हूं और वह यह है कि बोइंग 737 फ्लाइट नं० 410 जिसका अपहरण दो युवकों ने किया यह गम्भीर बात है जिस पर हम सबको विचार करना चाहिये ।

उपसभापति महोदय, गाड़ी में यात्रा तो कठिन हो ही जाती है हवाई यात्रा भी अब खतरनाक होने लगी है । यह एक गम्भीर समस्या है । इस समस्या के दो पहलू हैं । श्रीमन्, दो नौजवान उसमें गये । यह फ्लाइट रांची से आ रही थी, पटना और लखनऊ होकर दिल्ली की थी । चार दिन पहले मैं भी उसी से आया था लेकिन बच गया । इसका एक पहलू यह है कि ये नौजवान पटना में सवार हुए । (*Interruptions*) अब पैसेंजर प्लेन पर सवार होने लगता है तो उसकी पूरी जांच होती है । सक्योरिटी वाले वहां रहते हैं, उसकी जांच करते है । आप या हम लोग भी जब चढ़ते हैं तो जांच करने लगते हैं । हम कहते हैं कि कलम है हमारे पास तो खतरनाक सोचो तो ले लो । लेकिन पहली बात यह है कि ये जो लोग पटना में सवार हुए इनके पास हैंड़-गेनेड और हथियार थे तो क्यों नहीं इनकी जांच पूरी नही हुई । कैसे ये लोग आये । यह एक गम्भीर बात है जिस पर सम्बन्धित मंत्री ध्यान दें और सुरक्षा की पूरी जांच हो ।

दूसरी बात, सभापति महोदय, यह है कि इन नौजवानों ने जसा कि अखबार में आया है, इन्होंने रेनसम पर पैसेंजर्स को रोका कि पहले इंदिरा गांधी को छोड़े तब हम जाकर तुम लोगों को छोड़ेंगे । उपसभापति महोदय, हर एक को अधिकार है किसी को अपना नेता कबूल करने का । इन नौजवानों को पूरा अधिकार है अपना नेता इंदिरा गांधी को कबूल करने का जैसे इन लोगों को अधिकार है, लोक सभा ने फसला दिया, सर्वोच्च संस्था देश की जो है उसने फैसला दिया और वह जेल में है । उनके जो फौलोअर्स हैं, कार्ड- होल्डर्स हैं वह मांग कर रहे हैं या जो सिम्पै थाइजर्स हैं उनको बोलने का अधिकार है उनको पूरा हक है कि वह आवाज उठायें कि इंदिरा गांधी को छोड़ दिया जाए । लेकिन शान्तिमय तरीके से । मान्यवर, अपोजिशन के नेता ने कहा कि गांधी का यह देश है, यह जवाहर का देश है और यह लोकनायक जयप्रकाश का भी देश है और हम लोगों को तरीका बताया गया । अंग्रेजी साम्राज्यवाद के मुकाबले में हम संघर्ष कर रहे थे तो हमने ऐसा तरीका अख्तियार किया जो दुनिया के इतिहास में यूनीक था, गांधी का तरीका आप इस पर विश्वास करते हैं । लोकनायक जयप्रकाश नारायण गिरफ्तार हुए । बहुत से लोग गिरफ्तार हुए । उस वक्त हम लोगों ने भी आवाज उठाई और डिमोन्सट्रेशन किया । बहुत से लोगों ने डिमोन्सट्रेशन किया । मैं भी 9 अगस्त, 1975 को गिरफ्तार हुआ मधुबनी में डिमोन्सट्रेशन करके । मैं 18 महीने जेल रहा । मेरा यह कहना है कि उनको पूरा अधिकार है डिमोन्सट्रेशन करने का परन्तु शांतिमय तरीके से । एजीटेशन करके गिरफ्तार हों यह उनको पूरा अधिकार है । मान्यवर, गिरफ्तार होने की किसी में हिम्मत नहीं है । कोई गोली खाने के लिये तैयार नहीं हैं । (*Interruptions*) आराम से यहां बैठे हुए हैं । ये मतलब के यार हैं । कहने के लिये हैं इन्दिरा गांधी के साथ । कहते हैं देशवासी इन्दिरा गांधी के साथ हैं । यदि ये इन्दिरा गांधी के भगत होते तो आज जेल गये होते । कमलापति त्रिपाठी जी ने कहा कि हम लोग जेल जायेंगे लेकिन कोई भी जेल नहीं गया । (*Interruptions*) दो नौजवान जो हाइजेकिंग में पकड़े गये उन्होंने शर्त रखी है कि इन्दिरा गांधी को छोड़ो (*Interruptions*) मैं आपसे निवेदन करता हूं कि जो मैम्बर हैं आप उनको कहें कि वे जेल भरें । आप सब नौजवानों को जेल जाना चाहिये, यहां आने की जरूरत नहीं है । ये लोग यहां पर बैठे हुए हैं ।

क्योंकि यह एक गम्भीर मामला है इसलिये आपके जरिये इस सदन का ध्यान एरोड्राम के इंतजाम के बारे में दिलाना चाहता हूं । मै आपसे कहना चाहता हूं कि वहां की व्यवस्था दुरुस्त की जाए (*Interruptions*) जो हथियार लेकर आते हैं, सवार होते हैं उनका भी ख्याल रखें (*Interruptions*) दूसरी बात मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि यह जो हाईजैकिंग इन्दिरा गांधी को छुड़ाने के लिये कर रहे है यह गांधी जी के असूलों के खिलाफ जवाहर लाल जी के असूलों के खिलाफ लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के असूलों के खिलाफ काम कर रहे हैं। (*Interruptions*)

श्री उपसभापति : स्पेशल मेशन तो चलने दीजिए ।

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : इसकी जाच होनी चाहिये जो यह 18 महीने जेल मे रहें हैं (*Interruptions*) यह कम्बल, तकिया लेकर गये थे (*Interruptions*)

श्री शिव चन्द्र झा : जेल भरो (*Interruptions*)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं स्वागत करता हूं विरोधी दल के नेता श्री कमलापति त्रिपाठी के वक्तव्य का । त्रिपाठी जी ने बड़ी गम्भीरता के साथ और बड़ी जिम्मेदारी के साथ हाइजेकिंग की घटना की भर्त्सना की है । बड़ी उत्तम बात कही है त्रिपाठी जी ने (*Interruptions*) मैं आपकी ही बात कह रहा हूं सुन तो लीजिए ।

त्रिपाठी जी ने बड़ी जिम्मेदारी के साथ खड़े होकर इस सदन में हाइजेकिंग की घटना की भर्त्सना की है । उनके ये शब्द स्वागत योग्य हैं । मैं उनके साहस की दाद देता हूं । उन्होंने अन्त मे एक बात कही (*Interruptions*)

श्री रामानन्द यादव : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । मैं पूछना चाहता हू इस हाइजेकिंग पर कितने सदस्यों के स्पेशल मेशन हैं । (*Interruptions*)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : त्रिपाठी जी ने जो शब्द कहे मैं फिर एक बार कहना चाहता हूं कि मैं उनका स्वागत करता हूं । लेकिन केवल एक निवेदन है कि भर्त्सना हृदय से होनी चाहिये । आप बुजुर्ग हैं, मेरी श्रद्धा के पात्र हैं । मैं समझता हूं कि आपने हृदय से बात कही होगी । पण्डित जी गलती से एक बात कह गये कि वह गांधी जी के रास्ते पर चल रहे है । बिल्कुल ठीक कहा । लेकिन उन्होने जानबूझ कर महात्मा गांधी नही कहा क्योंकि श्रीमती इन्दिरा गांधी कहना चाहते थे इसलिये गांधी जी शब्द निकल गया । बात 1 P.M. बिल्कुल सच है । (*Interruptions*) दूसरी बात उन्होंने यह कही कि (*Interruptions*)

श्री कमलापति त्रिपाठी : माननीय, मैंने गांधी जी का नाम भी लिया है और श्रीमती इंदिरा गांधी जी का भी नाम लिया है । मैंने इन दोनों का नाम लिया है । महात्मा गांधी जी ने हम लोगों को जो उपदेश दिये हैं और जो रास्ता बताया है, हम उसी रास्ते पर चल रहे हैं ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : श्रीमन्, मैं पंडित जी की बात को मान लेता हूं ... (*Interruptions*) उन्होंने कहा कि मैंने महात्मा गांधी का नाम लिया है और हम उन्ही के रास्ते पर चल रहे है । इसका मतलब यह है कि वह इस विषय में श्रीमती इन्दिरा गांधी का विरोध कर रहे हैं मैं इसका स्वागत करता हूं । वे श्रीमती गांधी का विरोध कर रहे हैं, यह एक अच्छी बात है ... (*Interruptions*) उन्होंने कहा कि यात्रियों को जहाज पर चढ़ाते समय चैकिंग की जानी चाहिए थी । मै नहीं जानता कि इसमे संजय गांधी का हाथ है या नहीं । उनका हाथ हो भी सकता है और

नहीं भी हो सकता है । इसी प्रकार से राजीव गांधी का हाथ हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता है । लेकिन एक बात बहुत गम्भीर है । जैसा कि मेरे एक साथी ने कहा है कि वे लोग चेकिंग करते समय किस तरह जहाज में घुस गये, यह बड़ी गम्भीर बात है । दूसरी गम्भीर बात यह है कि उनके पास हैण्डग्रेनेड पाया गया । आप जानते हैं कि हैण्डग्रेनेड बाजार में नहीं बिकता है । यह सेना के गोदाम में होता है । ऐसी स्थिति मे इस बात की जांच की जानी चाहिए कि सेना के हाथ से इन लोगों के हाथ मे हैण्डग्रेनेड किस तरह से पहुंच गया । मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इस बात की भी जांच की जानी चाहिए कि क्या इन दोनों व्यक्तियों का संबंध किसी इन्टरनेशनल गग से है ? मुझे इस बात का संदेह है कि इन लोगों का संबंध किसी इन्टरनेशनल गैंग से है जो इन लोगों को शस्त्र सप्लाई करता है । दुर्भाग्य की बात यह है कि संजय गांधी और श्रीमती इंदिरा गांधी का नाम न बातों के साथ जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी गम्भीरता और भी बढ़ गई है ..... (*Interruptions*) मै इस सदन मे मांग करता हूं कि श्री राजीव गांधी, श्री संजय गांधी और श्रीमती मोहसीना किदवई, इन तीनों के संबंध मे भी जाच की जानी चाहिए .....(*Interruptions*) इसमें किसी विदेशी गैंग का हाथ था या नहीं और इन पांच-छः महानुभावों की मिल कर जाच की जानी चाहिए ।

श्रीमती प्रतिभा सिंह (बिहार) : श्रीमन्, उत्तर प्रदेश और बिहार मे श्री राम नरेश यादव और श्री कर्पूरी ठाकुर की सरकारे है । वहां पर कांग्रेस-आई की सरकारे नहीं है । क्या इस काण्ड में इन सरकारों का हाथ है या नही, इसकी भी छानबीन की जानी चाहिए ..... (*Interruptions*)

श्री सतपाल मित्तल (पंजाब) : मैं कहना चाहता हूं कि तलाशी लिये बिना वे लोग कैसे जहाज पर चढ गये, इसकी भी जांच होनी चाहिए । जिन लोगों की सरकार इन स्टेटों में है वही लोग ये सब काम कर रहे है, लेकिन ये लोग नाम श्रीमती इंदिरा गांधी का ले रहे है ..... (*Interruptions*)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : वह भी जांच होनी चाहिए । श्री त्रिपाठी ने कहा कि इसमें उनकी पार्टी के आदमी शामिल नहीं थे । मैं उनको याद दिलाना चाहता हूं कि जब सन् 1969 में कांग्रेस का बटवारा हुआ था तो जंतर-मंतर पर इंदिरा कांग्रेस के लोगों ने हमला किया था और आग लगाई थी । जन्तर मन्तर का स्थान इन लोगों का बड़ा परिचित स्थान है । इन लोगों ने तब ही हमला किया था और आग लगाई थी आज फिर वही किया है । आज यही लोग सारे देश में आग लगाने की कोशिश कर रहे है इसकी भी जांच होनी चाहिए । इन लोगों ने सारे देश में आग लगाई है और सारे देश के अन्दर बसें जलाई है ... (*Interruption*) मेरा निवेदन यह है कि पंडित जी ने अपनी बात कही है । लेकिन मै चाहता हूं कि इस बात यह भी पंडित जी खड़े होकर कहे कि जहां हिंसा हुई है, बसें जलाई गई हैं इसकी वे अपने दल की ओर से भर्त्सना करते है । परन्तु पंडित जी ऐसा कभी नही करेंगे ... (*Interruptions*)

श्री उपसभापति : सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

The House then adjourned for lunch at six minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at three minutes past two of the clock, **Mr. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.**

SHRI BHUPESH GUPTA (West Bengal): Sir, what about that question?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There are some Special Mentions left over.

Now, we will continue with the Special Mentions.

श्री कल्प नाथ राय : श्रीमन्, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है । मेरी समझ में नहीं आता कि आज दर्शक दीर्घाएं खाली हैं और जनता के लोगों को नहीं आने दिया गया है । ऐसा आदेश क्यों दिया गया है । उपसभापति महोदय, मैं यह आपसे जानना चाहता हूं ।

Shri K. K. MADHAVAN (Kerala) Sir, I am on a point of order. This is a method of hijacking.

श्री कल्प नाथ राय : विरोधी पार्टी के लोग हैं और यह जनता का हाउस है और जनता के लिए है और जनता के लोगों को यहां आने देना चाहिए । मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या कारण है कि लोगों को यहां दर्शक दीर्घाओं में नहीं आने दिया गया । मैं इसी बात पर आपकी व्यवस्था चाहता हूं । जब हम बाहर गये तो लोगों ने हम से शिकायत की कि हम लोगों ने पास लिया था लेकिन आज हम लोगों को नहीं जाने दिया गया । मैं आपसे जानना चाहता हूं कि ऐसा क्यों किया गया ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Dinesh Goswami. (*Interruptions*)

श्री कल्प नाथ राय : उनकी पत्नियों तक को अलाऊ नहीं किया गया ! ... (*Interruptions*) देख भी देख लीजिए ।

श्रीमती सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : यहां तक कि एक्स मेम्बर्स आफ पार्लियामेंट; एम०एल०एज और एम०एल०सीज़ को भी नहीं अलाऊ किया गया ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Dinesh Goswami.

श्री कल्प नाथ राय : तो मैं आपसे जानना चाहता हूं कि दर्शक दीर्घाओं में लोगों को क्यों नहीं आने दिया गया ? आखिर यह संसद है, इसमें बहस चलती है और जनता आना चाहती है । उत्तर प्रदेश विधान सभा, बिहार विधान-सभा के सदस्य जिन्होंने अप्लाई किया था उनको नहीं आने दिया गया । मैं इस बात पर आपकी व्यवस्था चाहता हूं कि कल से आपकी ऐसी व्यवस्था तो नहीं होगी ?

श्री उपसभापति : इसमें व्यवस्था की आवश्यकता नहीं है । आपने अपनी बात कह दी है इसलिए अब आगे की कार्यवाही चलने दीजिए । श्री दिनेश गोस्वामी ।

SHRI DINESH GOSWAMI (Assam): Mr. Deputy Chairman, Sir, I am associating myself in raising before you this important matter of hijackng with my other colleagues. It is unfortunate that during the pre-lunch discussion political overtones were introduced in this discussion. I feel that it is not proper that we should do so when we are discussing such an important and serious matter. The whole House should consider this matter in proper perspective and ponder over the seriousness of this situation.

Sir, as the paper reports go, the demand of the hijackers was that Mrs. Gandhi should be released from jail. It was a reaction to the action taken by the other House in response to the report of the Privileges Committee. So far as I am concerned, I feel that it will not be proper on the part of this House or any Member of this House to comment on the decision of the other House Our Party's stand has been made clear by our Leader in the other House, Mr. Chavan. While participating in the debate. But, I feel that a time has come when the members of both the Houses, the Members of Parliament, should seriously consider whether a politics of

confrontation or politics of vendetta can really lead to the survival of democratic institution. Democracy survives, and more so Parliamentary democracy survives, when both the majority and the minority, when both the ruling party and the opposition parties. act in a spirit of conciliation, moderation and compromises and not in a spirit of confrontation. Unfortunately today it has become evident that the spirit of confrontation has grown more and more in the democratic polity of this country and is hampering the normal functioning of this House. I would not like to make any comment on the functioning of the other House. I feel that it is high time that both the majority and the minority of this House, both the ruling party Members and Members on the other side, should sit together, their leaders should sit together, and find a way out as to how this situation can be resolved. After all, Sir. it has been said in the other House, I hope I will be permitted to say at least this one thing, that in the other House when a decision is taken by the majority, it is expressed as the collective wisdom of the House. I have no quarrel with that. We will, as democratic citizens despect the decisions given by the majority in the other House. But, at the same time, when the majority in this House takes a particular decision, it is not treated as the collective wisdom of this House and that is the tragedy of parliamentary democracy here.

When the ruling party says that the majority verdict must be treated with respect in the case of one House of Parliament, I feel that the same rule should apply with equal force in the case of the other House also. We have seen here, unfortunately. that in spite of the pressing demands from us, from the entire opposition, regarding the discussion of a particular subject, the Government is standing on ceratin rules and procedures and they are not permitting the business of this House to proceed at all. That is my general observation. My respectful submission would be that this sense of confrontation either in one House or the other will not lead to any solution of this problem.

(Interruptions)

Sir, if my friend feels that hijacking is a solitary problem. then I have nothing to say. I would say that it is a manifestation of the totality of the political situation in this country, and you cannot avold that and if you try to avoid these issues, you will come to no solution. Therefore, my submission is that the Leaders of these Parties should sit together and should try to see that the politics of confrontation is done away with.

So far as the skyjacking that has taken place yesterday is concerned, I think that the House should unanimously condemn it and I am happy to say that the Leader of the Opposition, Shri Kamalapati Tripathi. has condemned it in unequivocal terms.

Sir, I do not know whether it was mere delinquency on the part of two young men because the paper reports say that the hijackers were armed with one tennis ball and a toy pistol. But whatever it is, I can appreciate that even if a person enters the cockpit with a pistol, a toy pistol or the real pistol, the pilot has no other alternative but to yield. because he has no way of knowing whether it is a toy pistol or the real pistol. It is true that at such point of time, emotions are likely to run high. But I think, this House should make a unanimous appeal to all sections—irrespective of political affiliations—not to resort to violence, because we belonging to this party and my friend in the Congress—I also, have always opposed the idea of the problems or the situations being tacxkled in the streets. Mr. Shiv Chandra Jha referred to Shri Jayaprakash Narayan. Our one fundamental difference with Shri Jayaprakash Narayan was during the period prior to emergency, when we gave a call to the youth to take the problems to the streets and

[Shri Dinesh Goswami]

we pointed out that in a parliamentary democracy if you take the problems to the streets, the parliamentary democracy cannot survive....

SHRI SHIV CHANDRA JHA: You also did the same thing.

SHRI DINESH GOSWAMI: I am not saying that we did not make mistakes when we were in the ruling party. We also made the mistakes and are reaping the harvest. I feel, Sir, that they should try to tackle the problems without resorting to taking them to the street. Well, Sir. te same pollution seems to prevail unless an effort is made to improve the situation.

Sir, sky-jacking is the manifestation of the totality of the political problem. Therefore, I feel, it is necessary that at this particular juncture, the Parilament being supreme, the highest legislative body of the country, whose voice has a very important effect on the people, this House should appeal to all the countrymen not to take this problem to the streets and avoid violence. I feel, the time has come when we should ponder and discuss whether we can afford in this explosive situaiton, any confrontation or we should try to sort out our problems amidst mutual discussion, amidst mutual respect and mutual understanding of the problems. I think both sections of the House should ponder over the problem in the light of the present situation. I am grateful to you. Sir, for giving me this opportunity to place my views before the House.

SHRI S. W. DHABE (Maharashtra): Sir, I associate myself with what Mr. Goswami has stated just now on the incident of hijacking) at Varanasi. Sir, it is reported in the Hindustan Times:

"The two hijackers, D. N. Pandey and B. N. Pandey who boarded the plane at Lucknow are reported to have demanded unconditional release of former Prime Minister, Indira Gandhi and a meeting with the U.P. Chief Minister where Prime Minister Morarji Desai, representatives of the press and All-India Radio would also be present."

Sir. another thing, which is not beyond doubt, is that after the plane landed at Varanasi, one passenger by the name S. K. Modi managed to escape and made a similar statement at Varanasi. Sir, it is very difficult to believe—and it cannot be reasonably expected—that when the plane is hijacked, the lone passenger could escape and give a report.

Another thing which is very surprising is, apart from the political overtones on the whole subject apart from the question of supremacy of Parliament and confrontation with political parties. the most important issue involved in the matter of security to the passengers. There is a check by the security staff and the security staff keeps a check when the passengers board a plane and when the plane lands. It is reported in the 'Hindustan Times' that they had a pistol and a hand grenade in hand. I do not know how such weapons....

SHRI KRISHNA CHANDRA PANT (Uttar Pradesh): They had a toy pistol and a tennis ball.

SHRI S. W. DHABE: Now, it is said that they had a toy pistol and a tennis ball. Whatever it may be. If the story in the 'Hindustan Times' is correct, it seems they had a pistol and a hand grenade. If they had a pistol and a hand grenade, it was the duty of the security staff at the Lucknow Airport to find this out. If this was not done, why was it not done Sir, this is a very important matter. Now. Sir, some days back, an accident took place at Hyderabad to an Indian Airlines plane. Immediately, the Government came and

made a statement on the floor of both the Houses explaining the circumstances. Here, this is a very serious matter when a hijacking has taken place in our country. But neither the Minister of Civil Aviation is present nor any statement is made by the Government on such an important issue and on such an important incident which has happened. Therefore, I would suggest that the Government should come out with a statement in this House either today or tomorrow explaining the circumstances. Let not the story in the Press or anywhere be taken political advantage of. Secondly, Sir, if such hijackings are allowed to continue like this whether for political purpose or for any other purpose. one day, our country will be like the countries in the Middle-East and Africa where this is the order of the day. The life of the passengers or anybody will not be safe. Therefore, Sir, I strongly condemn this incident of hijacking. This sort of hijacking of passengers who have nothing to do with this affair should be condemned. Why should the innocent people suffer? Therefore, this matter should be completely investigated either by a judicial committee or by a Parliamentary committee. Now. in this confrontation, some people may accept the opinion or the verdict of Parliament and some people may not accept. People have the right of dissent and they have also the right to carry on agitations. But when such agitations are going on and when such incidents take place, it is alleged that it was either done by the Jan Sangh or by the RSS or by the Youth Congress. Therefore, it is all the more necessary that this matter should be fully investigated. It is not a question of one party or the other. It is a question of the security and the safety of the people of India. It is a question of the security of the passengers who travel in planes. Therefore, the Government owes a duty to the society. to this country and this Parlaiment and they must come out with a statement telling us what are the real facts and waht is the real incident which has happened at Lucknow when this plane was hijacked. I expected that the hon. Minister will make a statement today itself. It is very difficult to understand the working of the "Janata Government". This is an impotrant issue. But they are not telling us anything and no statement is made. Lastly, Sir, whatever may be political confrontation in the country, as has been said by others, I also say that agitations should be conducted peacefully. The cult of violence has no place in a democracy. Unless we accept the majority view. no democracy can function. Therefore, the cult of violence whether it is encouraged directly or indirectly must stand condemned and I would ask this House to condemn this incident by way of a formal resolution so that the public should know that Parliament does not accept the cult of violence in our country.

SHRI K. K. MADHAVAN: Sir, before I speak on this very serious matter, I would make an appeal to my esteemed colleagues who are Members of this House, which is known as that of Elders. I would request for their tolerance for the simple reason that I may be saying something which may be unpalatable to some of them. Of course. they have to bear with me. I am sorry to say I was surprised at the behaviour before lunch in this House from both the extreme ends. It is a matter of disgrace that the Chair could not maintain order in spite of its best efforts. Of course, Sir, finally you succeeded. When I woke up this morning, it was not by the morning alarm. It was by the alarming news of this hijacking. I do not know whether these persons have been identified. But the fact remains, as my friend Mr. Goswami says. this is only a symptom, a symptom of a deep-rooted disease and that disease began sometime back. I am coming to that.

Now, Sir, I have, in my hand, this paper 'National Herald', established by one of the biggest leaders of this country. According to the political

[Shri K. K. Madhavan]

Complexion of this paper, the contents of the paper would be politically untouchable, but I refuse to accept that approach because I want to know what is contained therein. At the bottom of the last page of this paper, it is written: "printed and published by Shri Yashpal Kapoor". He was my colleague till April last, an ex-Member of this House. I do not want to speak anything more on that matter. I took this paper with me because the hijacking is reported therein. I have gone through all the papers, but I have taken this paper with me because that has given a better or worse presentation of the news item. The thing is, as Mr. Goswami said, they have made four demands. The one demand. as alleged, is release of Shrimati Indira Gandhi. Our leader in the Lok Sabha has stated in unmistakable terms that we are opposed to the jail punishment of Shrimati Indira Gandhi, and also to the quantum and mode of punihhment. But waht happened, after that***

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Any reference to the other House, in any way, is not good. Please withdraw this.

SHRI K. K. MADHAVAN: Yes, yes, I am withdrawing.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It will be expunged.

SHRI K. K. MADHAVAN: The report in the National Herald mentions, among other things, release of Shrimati Indira Gandhi from jail. and the fourth demand is withdrawal of all cases against Shrimati Indira Gandhi and her family members.

Of course, the first demand about release of Shrimati Indira Gandhi is understandable. Sir I do not know the identity of these hijackers and the political affiliation of these people, but what disturbed me and what should disturb every right-thinking person in this country is this. The moment this news of hijacking has come, simultaneously, the party led by my esteemed respected leader, my leader not now, but earlier, before the split of my party, Shri Kamlapati Tripathi, at the Centre and the U.P. Pradesh Congress (I) unit in that state have denied the responsibility. who inspired them, who abated them, who encouraged these young people? According to the latest reports, if they are true, these people are armed with only toy pistols and some balls.

SHRI DINESH GOSWAMI: Tennis ball.

SHRI K. K. MADHAVAN: Whether it is a tennis ball or a criket ball, or wicked ball I do not know. Anyhow, it is reported that there was hijacking with arms. And these leader unitedly say that it was an attempt to tarnish the image of their party. Sir, I do not want to go into the merit of this incident, but let us see what happened yesterday and day before. We have seen what has happened here on the floor of this House. Was our behaviour befitting? (*Interruptions*) I am not speaking about that House. I am speaking about the Members of this House.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please be brief.

SHRI K. K. MADHAVAN: I am speaking about the performance of Members here. Till lunch time this morning, we have witnessed that undersirable method of action. Sir, I do not believe in this method. What I want to stress is this. Is it a political hide and seek game within the same party or is it a hide and seek game between the Government and the principal opposition? (*Interruptions*) In the same paper mentioned earlier there is a news item. (*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please do not provoke the hon. Member.

***Expunged as ordered by the Chair.

SHRI K. K. MADHAVAN: On the one side, 50 Members of Parliament of the Janata Party collected to pressurise the Government to extend the session of Parliament. There is another news item saying that 50 Members on the other side collected for some other pupose. Is it 50 versus 50? They may be 50 and the other side may also be 50. But we are not the third force. We are the real force, the real alternative and I stand for it. This sort of pressure tactics began long before the exit of Shri Charan Singh from this Government. Even after the exit, he continues the same thing which had begun with the killing of Harijans at Belchi. Now we have come to the stage of hijacking.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That will do.

SHRI K. K. MADHAVAN: I am not mentioning any name or person. I am mentioning the names of places only. From Belchi to Parliament, it is a long process of anarchy. We have seen the gate crashing at the Prime Minister's residence by both these groups. One person was sitting on that side and one person was sitting on the other side. (*Interruptions*). So the methodology is the same. The crime is the same. The attitude is the same. Sir, we condemn this. Fully knowing that we are between the devil and the deep sea, we stand for democracy. It is not a question of only saving the lives of passengers travelling by air or by rail. Ordinary men travel by rail, their lives are as precious as those of the Air passengers.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That will do.

SHRI K. K. MADHAVAN: Sir, it is the question of saving democracy and the survival of democracy. I am interested in seeing that democracy is not hijacked. That is my point of view We want law and order. We want the safety of this country. We want the safety of domocracy, freedom, peace and prosperity. (*Interruptions*) Sir, I am constrained to say that neither the Government nor the principal opposition can deliver the goods. Only we who believe in cherishing democracy can do it. We believe in and strive for saving democracy. Let us join hands to condemn this method of hijacking. Thank you, Sir.

SHRI BHUPESH GUPTA: Sir it is exactly one month....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There are some more people to speak on this Special Mention.

SHRI BHUPESH GUPTA: Then I would like to make a Special Mention.

श्री सुलतान सिंह : मेरा प्वाइंट आर्फ आर्डर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि माथुर साहब ने अपनी स्पीच में .....

श्री उपसभापति : वह तो खत्म हो गई है।

श्री सुलतान सिंह : मैं मा कर देना चाहता हूं कि उन्होंने राजीव गांधी का नाम अपनी स्पीच में घसीटने की कोशिश की। वह पालिटिक्स में नहीं हैं। वह सर्विस करते हैं। जनता पार्टी वालों ने उसे बोइंग डील में घसीटने की कोशिश की। कमीशन जो बैठाया गया था उसने भी इसे साफ बरी कर दिया था। मैं आपकी मार्फत साफ कर देना चाहता हूं जनता पार्टी के लोगों से कि राजनीतिक लोगों के बच्चे सर्विस नहीं कर सकेंगे इस तरह से अगर आ इस तरह से उन्हें झूठे ही घसीटने की कोशिश करेंगे (*Interruptions*) यह बहुत गलत तरीका है (*Interruptions*)

श्री प्रकाश महरोत्रा : (उत्तर प्रदेश): आदरणीय सभापति महोदय, इस सदन में जिस विषय पर चर्चा हो रही है उस विषय में मैं भी अपने विचार रखना चाहता हूं। मान्यवर, यह पहला अवसर नहीं है कि इंडियन एयरलाइन्स का प्लेन हाईजेक हुआ हो। आपको स्मरण होगा पहले भी इंडियन एयर लाइन्स के दो

[श्री प्रकाश महरोत्रा]

प्लेन हाईजेक हो चुके हैं । ये दोनों प्लेन हाईजेक पड़न करके पाकिस्तान ले जाये गये थे और उसमें से एक प्लेन जला दिया गया था और दूसरा प्लेन को भी वार्ता के बाद हिन्दुस्तान वापिस भेज दिया गया ।

मान्यवर, बुनियादी चीज यह है कि हमारे जो इंडियन एयरलाइन्स के प्लेन हैं इनकी सुरक्षा में कोई त्रुटि अवश्य है । मैं अगर यह कहूं कि केवल हवाई जहाज की सुरक्षा में त्रुटि है तो ठीक न होगा बल्कि आज देश में सुरक्षा की व्यवस्था बहुत ही खराब हो गई है, यह मैं कहना चाहूंगा । आप यह देखेंगे कि एक तरफ दिल्ली शहर में जगह-जगह पुलिस खड़ी हुई है, यहां तक कि हम सदस्य लोग जहां रहते हैं साउथ एवेन्यु में, वहां सुबह से ही उठकर हम देखते हैं कि तीन मूर्ति के सर्किल में सैकड़ों हेलमेट पहने पुलिस खड़ी रहती है । मैं जहां रहता हूं उस घर के सामने जो जगह है उस पर माउंटिड पुलिस खड़ी रहती है । एक तरफ यह है कि दिल्ली में पुलिस राज है और दूसरी तरफ दिल्ली में रोज दो-तीन मर्डर होते हैं । साथ ही साथ सुरक्षा की स्थिति यह है कि हम ट्रेन की जरनी में तो आज सुरक्षित नहीं रह गये थे लेकिन अब प्लेन तक में भी सुरक्षित नहीं रह गये हैं । इससे साफ जाहिर है कि ला एण्ड आर्डर की जो स्थिति है उसका कम्पलीट ब्रेक डाउन हो गई है इस देश में । मान्यवर, न केवल सुरक्षा का सवाल है अपितु आपने पढ़ा होगा कि हैदराबाद में एक क्रैश प्लेन लैंड किया गया और दूसरे दिन अखबार में यह आया कि उसके एक महीने पहले नवम्बर महीने में पायलेट एसोसिएशन ने एक पत्र लिख कर भेजा था कि यह प्लेन डिफेक्टिव है । इसके बावजूद भी यह लोग इस प्लेन को चलाते रहे । इससे इनके कैलस एटीट्यूड का पता लगता है देश की जनता के प्रति । मान्यवर, इसमें कोई राजनीतिनहीं है । जैसे हमारे नेता आदरणीय पंडित जी ने भावना और विचार व्यक्त किये हैं उनसे हम अपने को जोड़ते हैं । लेकिन बड़े दुख की बात यह है कि जनता पार्टी इसमें एक पोलिटिकल कलर देना चाहती है । आज अखबारों में यह निकाला गया कि जो भी नौजवान पकड़े गये वे कांग्रेस (आई) के मेम्बर थे । सुबह से आल इंडिया रेडियो से भी यह समाचार दिया जा रहा है जब कि हमारी पार्टी के जनरल सेक्रेटरी श्री बूटा सिंह और हमारे प्रदेश की जो अध्यक्षा हैं मोहसिना किदवई उन्होंने यह बयान दिया है कि ये दोनों व्यक्ति कांग्रेस (आई) के नहीं हैं । इनका कांग्रेस (आई) से कोई सम्बन्ध नहीं है । उस बयान के विषय में आडवाणी रेडियो ने इस वक्त तक कोई भी खबर प्रसारित नहीं की है । रेडियो लगातार यही कहता जा रहा है कि कांग्रेस-आई के लोगों ने यह जहाज हाईजेक किया है । इस तरह से इसमें राजनीति लाई जा रही है । इस सम्बन्ध में वास्तविकता क्या है, इसको अच्छी प्रकार से मालूम किया जाना चाहिए । क्या कभी ऐसा होता है कि हाईजेकर अपनी कोई डिमाण्ड रखने के बाद यह कहे कि हम जानते हैं कि आप हमारी मांगों की पूर्ति नहीं कर सकते और यह कहते हुए उत्तर प्रदेश के चीफ मिनिस्टर की गाड़ी में बैठ कर चले जायें ? इससे आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि उन लोगों का राजनैतिक सम्बन्ध किन लोगों से है । जहां तक सेक्यूरिटी की बात है, आज के अखबारों में यह समाचार छपा है कि वह प्लेन वाराणसी में खड़ा है और सरकार आदेश क्या देती है कि दिल्ली और लखनऊ में और उनके आस-पास जितने भी हवाई अड्डे हैं उनमें अलर्ट की स्थिति कर दी जाय । इसी प्रकार से हाईजेक किया हुआ प्लेन तो वाराणसी में खड़ा है और एम्बुलेन्स नई दिल्ली के हवाई अड्डे पर खड़ी है । इस तरह की इनकी व्यवस्था चल रही है । वास्तविकता यह है कि हवाई जहाजों में चैकिंग का जो प्रबन्ध है वह सही नहीं है । मैं अभी कुछ दिन पहले

इलाहबाद में था। कानपुर से एक जहाज लौट गया, इसलिए दूसरे जहाज पर जाना पड़ा। उस वक्त मैंने यह देखा कि दूसरी बार सेक्यूरिटी की दृष्टि से चैकिंग का कोई प्रबन्ध नहीं था। दूसरी बात यह है कि बिल्डिंग से लेकर हवाई जहाज तक पहुंचने का जो डिस्टेंस है उसमें किसी प्रकार की सेक्युरिटी का कोई प्रबन्ध नही है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि सेक्यूरिटी और चैकिंग की व्यवस्था इस तरह से रखी जानी चाहिए कि जब कोई आदमी जहाज में इन्टर करे तो उसकी अच्छी प्रकार से चैकिंग हो। ।

SHRI KALYAN ROY: No more checking. (*Interruptions*) We do not want it. We are not those who want it.

श्री प्रकाश नहरोत्रा : आपकी चैकिंग नहीं होती है। आप कृपया शान्त रहिये।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि प्रत्येक एयरपोर्ट पर मटल डिटेक्टर लगा होना चाहिए और हर एक हवाई जहाज में एक ट्रेन्ड सेक्यूरिटी का आदमी भी होना चाहिए। वह एक क्वालीफाइड कमान्डो हो। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि आप इस प्रकार की कोई समुचित व्यवस्था करें ताकि इस प्रकार से जहाजों का हाईजेकिंग न हो सके। पिछले एक घंटे में सदन में इस विषय पर बहस हो रही है, लेकिन हमारे मंत्री महोदय सदन में नहीं हैं और न ही उनका कोई बयान अभी तक आया है। ऐसी स्थिति में मैं इस सारी घटना की जांच की मांग करता हूं और इस बात की भी मांग करता हूं कि इस काण्ड की जुडिशियल इनक्वायरी करायी जानी चाहिए और मंत्री महोदय को इस विषय पर एक बयान सदन में देना चाहिए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Dr. Bhai Mahavir—not their, Shri Nageshwar Prasad Shahi—not there.

SHRI BIPINPAL DAS (Assam): Sir, I am on a point of order.

SHRI S. W. DHABE: The hon. Deputy Chairman should ask the hon. Minister to make a statement on hijacking of the plane: Let the Minister make a statement.

श्री कल्प नाथ राय : उपसभापति जी, जो प्रस्ताव श्री भूपेश गुप्ता जी और श्री विपिनपाल दास जी ने दिया है ...
(*Interruptions*)

SHRI G. C. BHATTACHARYA (Uttar Pradesh): Mr. Deputy Chairman Sir, a serious situation has arisen due to the hijacking of an Indian Airlines plane Boeing-737 with 126 passengers and a crew of six yesterday night by two persons demanding the release of Mrs. Indira Gandhi. There is a widespread violence in the country which is a direct challenge to the sovereignty of Parliament representing the sovereign people of this country. This has threatened a democratic way and is paving a way for fascist dictatorship in this country. Mr. Deputy Chairman, Sir, I am very much happy today that the Leader of the Opposition and my friend Mr. Mehrotra have condemned these incidents. Mr. Mehrotra has demanded a judicial inquiry into it. I join with him in making that demand. I also demand a judicial inquiry. But he said something which has just no basis or does not appear to be logical that the hijackers had no connection with any particular political party. It is not out of anybody's imagination that the newspapers have published that they were demanding the release of Mrs. Indira Gandhi. And not only that they were saying: "Please inform Mrs. Moahsin Kidwai, the President of the Congress (I) in U.P. that we have done our work."

Mr. Deputy Chairman, I am only replying to it. I am not joining the issue. I am only telling the thing in its logical sequence. Sir, one of the hijackers was a very active member of Mr. Sanjay Gandhi's group. He was

[Shri G. C. Bhattacharya]
also very much active in the Amethi camp which was held before the election took place there for which Mr. Sanjay Gandhi had stood. And now it is all political. It is all a whitewash that they condemn it. Who can forget that they were intimately connected with Mr. Sanjay Gandhi, son of Mrs. Indira Gandhi. They cannot state like this. I am only demanding that the Government should immediately conduct an enquiry into the matter and come to the House with a statement fixing responsibility on these persons so that democracy in this country can be saved and this country can be saved from the facist dictatorship again.

REFERENCE TO STAYING OF MEMBERS IN THE LOBBY IN THE NIGHT

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : महोदय, यहां पर हम लोगों की यह प्रथा रही है कि (*Interruptions*) मुझे अनुमति दी गई है। महोदय, आपने मुझे अनुमति दी है।

इस सदन की एक मर्यादा और परिपाटी है कि सदन की समाप्ति के घंटे भर बाद तक कोई भी सदस्य अगर रहना चाहे तो वह रह सकता है। उसके पश्चात् अगर कोई सदस्य रहना चाहे तो उसको लिखित रूप से सदन के मुखिया, अर्थात् सभापति जी से अनुमति लेनी पड़ती है। उसमें भी संभवतः स्थिति यह है कि अगर वह कार्य सदन से संबंधित है तो वह यहां रह सकता है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि गत दो घटनायें ऐसी अनुचित हुई हैं जिनका मैं यहां पर जिक्र करना चाहता हूं। सर्वप्रथम बहन सरोज खापर्डे दो दिन आपकी अनुमति से या बिना अनुमति के आपकी चेम्बर में रहीं। कल भी बहुत सारे सदस्य जिनका मैं नाम ले सकता हूं, कुछ मेरे बड़े अच्छे मित्र भी हैं, सदन की लाबी के अन्दर रात भर रहे। मैं आपके समक्ष एक व्यवस्था का प्रश्न प्रस्तुत करना चाहता हूं। क्या इसके लिये आपसे अनुमति मांगी गई थी या नहीं और यदि अनुमति मांगी गई थी तो आपने उसके लिए अनुमति दी थी या नहीं दी थी और यदि दी थी तो क्यों दी थी? उन्होंने किस कार्य के लिये अनुमति मांगी थी और वाच एंड वार्ड के लोगों ने उनको जाने को क्यों नहीं कहा? महोदय मैं चाहता हूं कि इस बात पर आप प्रकाश डालने की कृपा करें कि अनुमति मांगी गई थी या नहीं मांगी गई थी, मिली या नहीं मिली, वाच एंड वार्ड के लोगों के साथ उन्होंने कैसा व्यवहार किया? इस बारे में मैं आपसे जानकारी चाहता हूं।

श्री उपसभापति : अनुमति का कोई प्रश्न नहीं उठता।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्या बिना परमीशन के रात को यहां रहे?

Regarding Business of the House

श्री कल्पनाथ राय (उत्तर प्रदेश) महोदय, कान्ति देसाई के खिलाफ जो भ्रष्टाचार का मामला है उस पर बहस की जाय। (*Interruptions*). आपकी अनुमति से जो बात कही जानी थी वह खत्म हो गई है। श्री भूपेश गुप्ता और श्री विपिन पाल दास जी ने प्रधान मंत्री के बेटे के खिलाफ जो भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में जो प्रस्ताव दिया है उस पर बहस की जाय। (*Interruptions*) हम चाहते हैं कि उसके ऊपर बहस हो... (*Interruptions*).

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI (Uttar Pradesh): I am on a point of order with the permission of the Chair.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : मेरा बोलने का नम्बर है श्रीमन्।

श्री देवेन्द्र नाथ द्विवेदी (उत्तर प्रदेश) : आपका नाम पुकारा गया था पर आप नहीं थे।